



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 19-12-2025

उत्तराखण्ड(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-12-19 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-12-20	2025-12-21	2025-12-22	2025-12-23	2025-12-24
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	16.0	21.0	21.0	22.0	23.0
न्यूनतम तापमान(से.)	11.0	11.0	12.0	14.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	86	83	83	83	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	52	48	52	55	53
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	6	4	4	10
पवन दिशा (डिग्री)	301	256	81	354	274
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	2	0	0
चेतावनी	ठंडा दिन; कोहरा	कोहरा	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, तीसरे दिन हल्के बादल छाए रहेंगे और शेष दिनों में आसमान साफ रहेगा, बारिश की कोई संभावना नहीं है। ऊपरी वायुमंडल में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है और सुबह व रात में शीतलहर चलेगी। अधिकतम तापमान 16.0-23.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस कम रहने का अनुमान है, और न्यूनतम तापमान 11.0-15.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने का अनुमान है। सापेक्ष आर्द्रता का अधिकतम और न्यूनतम स्तर क्रमशः 83-86% और 48-55% के बीच रहेगा। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व से होगी और हवा की गति 4.0-10.0 किमी/घंटा के बीच रहेगी, जो सामान्य से 2-3 किमी/घंटा अधिक रहने का अनुमान है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, सुबह और रात के दौरान घने कोहरे और ठंड की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सूचित किया जाता है कि पाले से बचाव हेतु रबी की खड़ी फसलों हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाये रखें। रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसले जैसे - गेहूँ व चना आदि की बुवाई उचित नमी पर अतिशीघ्र पूरा करने

का प्रयास करें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विलम्ब से बोई जाने वाली गेहूं की बुवाई उचित नमी पर करें। वातावरण की ऊपरी सतह पर हल्की धुंध व प्रातः काल के समय हल्के से मध्यम कोहरा दिखाई देने के आसार हैं। अतः किसान भाई गेहूं, सरसो, आलू एवं सब्जियों की खड़ी फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाये रखें। वर्तमान मौसम को देखते हुए पशुओं को ठण्ड से बचाने के लिए सुबह-शाम पशुओं के ऊपर झूल डालें तथा रात्रि के समय बाड़े की खिड़कियों व दरवाजों को टाट-बोरी के परदे बनाकर डालें तथा दिन के समय परदे को हटा दें। पशुओं को प्रातः बाड़े से बाहर निकालकर धूप में बांधें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गेहूं, सरसों, आलू और सब्जियों की खड़ी फसलों को पाले से बचाने के लिए हल्की सिंचाई करके उचित नमी बनाए रखें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूं	समय से बोई गई गेहूं की फसल में पहली सिंचाई बुवाई के 20-25 दिन बाद तथा ऊसर भूमि में बुवाई के 28-30 दिन बाद (ताजमहल अवस्था) पर हल्की सिंचाई अवश्य करें। गेहूं की फसल में यदि सकरी व चौड़ी पत्ती वाले, दोनों प्रकार के खरपतवार दिखाई दें तो इसके नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फुरान 75% डब्लू पी 33 ग्राम/हेक्टेयर या मैट्रीब्यूजिन 70 %डब्लू पी 250 ग्राम / हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। मौसम के दृष्टिगत सिंचित दशा में विलम्ब से बोई जाने वाली गेहूं की संस्तुति प्रजाति मालवीय -234, यू.पी.-2338, के.-7903, के.-1902, के.-9533, एन.डी.-2643, एच.पी.-1744, एन.डब्ल्यू.-1014, यू.पी.-2425, डी.बी.डब्ल्यू.-14, पी.बी.डब्ल्यू.-524, एन.डब्ल्यू.-510, एन.डब्ल्यू.-1076 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई का कार्य उचित नमी पर करें।
सरसों	सरसों की फसल की बुवाई के 15-20 के अन्दर निराई - गुड़ाई करने के साथ ही पौध से पौध की आपसी दूरी 10 - 15 सेंटीमीटर कर लें। समय से बोई गई सरसों की फसल में नत्रजन की शेष बची हुई मात्रा की टॉपड्रेसिंग पहली सिंचाई (बुवाई के 30 - 35 दिन के बाद) उपयुक्त नमी पर करें। सरसों की फसल में आरा मक्खी और बालदार सुण्डी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम / हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
फील्ड पी	मटर की फसल में निराई - गुड़ाई का कार्य बुवाई के 20-25 दिन बाद तथा पहली सिंचाई बुवाई के 35-40 दिन बाद करें। मटर की फसल में तने की मक्खी एवं पत्ती सुरंगक कीट के नियंत्रण हेतु डाईमैथोएट 30 प्रतिशत ई.सी. अथवा मिथाइल-ओ-डेमेटान 25 प्रतिशत ई.सी. की 1.0 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से लगभग 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
चना	समय से बोई गई चने की फसल यदि 15-20 सेंटीमीटर की हो गई हो तो फसल की खुटाई करें। चने की फसल में कटुआ (कटवर्म) कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु क्लोरपाइरीफोस 50% ईसी + साइपरमेथ्रिन 5% ईसी 2.0 लीटर/ हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। चना की फसल में निराई - गुड़ाई का कार्य बुवाई से 30-35 दिन के बाद करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	वातावरण में नमी बढ़ने/बादल छाये रहने और तापक्रम गिरने से आलू की फसल में झुलसा रोग का प्रकोप तेजी से फैलता है, अतः इसके रोकथाम हेतु मैकोजेब २.० ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आलू की फसल में सिंचाई का कार्य 12 - 15 दिन के अन्तराल पर आवश्यकतानुसार करें।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	आलू की फसल में कटुआ (कटवर्म) कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी 2.5 लीटर/ हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
प्याज	समय से बोई गई सब्जियों की आवश्यकतानुसार निराई व सिचाई का कार्य करें। टमाटर की फसल में पछेती झुलसा और बैक्टीरियल बिल्ट रोग का प्रकोप दिखाई देने पर 10 लीटर पानी में 30 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड और 1 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइलिन का मिश्रण मिलाकर छिड़काव करें। सब्जियों की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु नीम आयल की १.५ मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर ३-४ छिड़काव ८-१० दिन के अंतराल पर करें। प्याज की नर्सरी में डैम्पिंग आफ (आर्द्र गलन) रोग दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु थाइरम 2.5 ग्राम या मैकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। प्याज की संस्तुति प्रजातियों- कल्याणपुर लाल गोल, पूसा रतनार, एग्रीफॉउण्ड लाइट रेड , एक्स केलीवर, बरगण्डी, के पी, ओरिएन्ट , रोजी आदि में से किसी एक प्रजाति की नर्सरी डालें।
पपीता	पपीते के पौध की रोपाई का कार्य करें। केले/पपीते के बागों की गुड़ाई-करके तने के चारों तरफ 25-३० सेंटीमीटर ऊंची मिटटी चढ़ा दे स्टेंडिंग करें। आम में पत्ती कटाने वाले कीट की रोकथाम हेतु २% कार्बेरिल 1.5 % धूल का बुकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	मौसम में बदलाव की संभावना को देखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने जानवरों को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम के लिए टीका लगवायें। इस रोग से ग्रसित पशुओं के घाव को पोटाशियम परमैंगनेट से धोएं। गर्भवती भैंसों/गायों को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। गर्भवती भैंसों/गायों को पौष्टिक चारा एवं दाना खिलायें तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक खिस अवश्य पिलायें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। किलनी/जू के संक्रमण से बचाव हेतु पशुबाड़ों में चूने का छिड़काव करें ताकि किलनी/जू के अंडे व लार्वा नष्ट हो जाय। प्रजनन संबंधी समस्त रोगों के निराकरण हेतु पशुपालकों को सलाह दी जाती है कि हरा चारा, भूसा, पशु आहार के अतिरिक्त खनिज लवण अवश्य खिलायें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 2 -3 बार अवश्य पिलायें। कृषकों/पशुपालकों के द्वार पर पशुचिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु टोल फ्री हेल्पलाइन नं.-1962 पर सम्पर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि मुर्गियों के रहने के स्थान पर प्रति दिन सफाई करें। मुर्गियों को स्वच्छ पानी तथा सन्तुलित आहार की व्यवस्था करें। मुर्गियों / चूजों को ठण्ड से बचाने हेतु पर्याप्त गर्मी की व्यवस्था करें। मुर्गियों / चूजों को पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था करें। कृमिनाशक दवा पिलायें। रानीखेत बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण कराये।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, सुबह और रात के दौरान घने कोहरे और ठंड की चेतावनी जारी की गई है।
--

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सूचित किया जाता है कि पाले से बचाव हेतु रबी की खड़ी फसलों हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसले जैसे - गेहूँ व चना आदि की बुवाई उचित नमी पर अतिशीघ्र पूरा करने का प्रयास करें।

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>